Drishti IAS

करेंट अफेयर्स छत्तीसगढ़

मई (संग्रह)

2023

Drishti, 641, First Floor, Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry (English): 8010440440, Inquiry (Hindi): 8750187501
Email: help@groupdrishti.in

अनुक्रम

छत्तीसगढ़ **4**

- सुरक्षित गर्भपात सेवाओं में नवाचार के लिये छत्तीसगढ़ को प्रथम पुरस्कार 4
- भिलाई चरौदा, बिरगाँव एवं धमतरी में डायरेक्ट भवन अनुज्ञा परियोजना का हुआ शुभारंभ 4
- मुख्यमंत्री ने पुस्तक 'बासी' का किया विमोचन 5
- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को फ्राँस की यूनिवर्सिटी ने डॉक्टरेट की उपाधि से नवाज़ा 5
- छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने प्रदेश स्तरीय श्रमिक सम्मेलन में की महत्त्वपूर्ण घोषणाएँ 5
- आभार सम्मेलन में आँगनबाड़ी, सहायिका, मितानिनों के लिये मुख्यमंत्री ने की विभिन्न घोषणाएँ 6
- पटेल, कोटवार और होमगार्ड के आभार सम्मेलन में गौठान समिति के लिये मानदेय का अंतरण 7
- 19 चिह्नित विषयों पर युवा वैज्ञानिकों को दिया गया अवॉर्ड 7
- छत्तीसगढ़ के उच्च शिक्षा विभाग को मिला राष्ट्रीय स्तर का प्रतिष्ठित स्कॉच सिल्वर अवार्ड 8
- मुंगेली ज़िला को मिला श्रेष्ठ निक्षय मित्र का सम्मान 9
- छत्तीसगढ़ के तीन शहीद जवानों को सर्वोच्च बलिदान के लिये मिला कीर्ति चक्र 10
- वाई-फाई सुविधा से लैस प्रदेश का पहला रूरल इंडस्ट्रियल पार्क बना बेलटुकरी 10
- द्वितीय विश्व मल्लखंब चैंपियनशिप में अबूझमाड़ के तीन खिलाड़ियों ने जीता स्वर्ण पदक 11
- केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने छत्तीसगढ़ के सात अस्पतालों को प्रदान किया एनक्यूएएस सर्टिफिकेशन 11
- छत्तीसगढ़ में पहली बार 'राष्ट्रीय रामायण महोत्सव' का आयोजन 12
- गोबर पेंट से बनी पेंटिंग लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज 13
- मुख्यमंत्री ने किया रूरल इंडस्ट्रियल पार्क में ज़िले के पहले वाई-फाई जोन का शुभारंभ 13
- खाद्य प्रसंस्करण मिशन: साढ़े चार साल में 737 इकाईयों में 1398 करोड़ रुपए का हुआ निवेश 14
- मुख्यमंत्री ने किया 'हमर सुघ्घर लईका अभियान'का शुभारंभ 14
- केंद्रीय कोयला सचिव ने एसईसीएल की 'छाल' रेल साइडिंग का उद्घाटन किया 15
- आवासीय हॉकी अकादमी बिलासपुर की खिलाड़ी गीता यादव का 'खेलो इंडिया वार्षिक स्कॉलरशिप' में चयन 16

नोट :

- जनजातीय वाचिकोत्सव 2023 17
- 6वीं राष्ट्रीय मिक्स मार्शल आर्ट प्रतियोगिता में बस्तर की बेटियों ने रचा इतिहास 18
- छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग और आस्ट्रेलिया के जॉर्ज इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल हेल्थ के बीच एमओयू 19
- छत्तीसगढ़ के खेलो इंडिया सेंटर के लिये खेल संचालनालय और साई के मध्य हुआ एम.ओ.यू. 20
- पर्यावरण संरक्षण के लिये 01 जून को छत्तीसगढ़ में पाँच लाख लोग लेंगे शपथ 21
- अंतर्राष्ट्रीय सॉफ्टबाल एशिया कप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे बीजापुर के तीन खिलाड़ी 22
- ग्राम पंचायत चंदखुरी में महात्मा गांधी रूरल इंडस्ट्रियल पार्क (रीपा) स्थापित 23
- कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में दिखा दुर्लभ 'माउस डियर' 24

दृष्टि The Vision

नोट :

छत्तीसगढ़

सुरक्षित गर्भपात सेवाओं में नवाचार के लिये छत्तीसगढ़ को प्रथम पुरस्कार

चर्चा में क्यों ?

28 अप्रैल, 2023 को केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली में आयोजित गर्भपात देखभाल पर राष्ट्रीय परामर्श कार्यक्रम (National Consultation on Comprehensive Abortion Care) में छत्तीसगढ़ को सुरक्षित गर्भपात सेवाओं में नवाचार के लिये प्रथम पुरस्कार मिला है।

प्रमुख बिंदु

- मातृत्व स्वास्थ्य के राज्य नोडल अधिकारी डॉ. शैलेंद्र अग्रवाल और राज्य सलाहकार अभिलाषा शर्मा रात्रे ने छत्तीसगढ़ की ओर से यह पुरस्कार ग्रहण किया।
- उल्लेखनीय है कि देश में सुरक्षित गर्भपात सेवाओं की निगरानी के लिये मेडिकल टर्मिनेशन आफ प्रेग्नेंसी (एमटीपी) एक्ट लागू किया गया है।
- मेडिकल टर्मिनेशन आफ प्रेग्नेंसी (संशोधन) एक्ट, 2021 के अनुसार गर्भवती महिला 24 हफ्ते तक गर्भपात करा सकती है। यौन उत्पीड़न, दुष्कर्म, नाबालिग या गर्भावस्था के दौरान वैवाहिक स्थिति में बदलाव (विधवा और तलाक), शारीरिक रूप से अक्षम और मानसिक रूप से बीमार महिलाओं को गर्भपात की अनुमति है। साथ ही वे महिलाएँ भी गर्भपात करा सकती हैं, जिनके गर्भ में पल रहे भ्रूण में विकृति हो।
- प्रदेश में निजी चिकित्सालयों में सुरक्षित गर्भपात सेवाओं की उपलब्धता एवं एमटीपी एक्ट के पालन की निगरानी के लिये 'ई-कल्याणी एप' तैयार किया गया है।
- इस एप के माध्यम से निजी चिकित्सालय अधिनियम के अंतर्गत सेवाएं प्रदान करने के लिये आवेदन कर सकती हैं, जिसकी ज़िला स्तरीय समिति द्वारा समीक्षा कर अनुमति प्रदान की जाती है।
- वर्तमान में प्रदेश में 'ई-कल्याणी एप' में 136 निजी चिकित्सालय पंजीकृत हैं, जहाँ एमटीपी एक्ट के तहत सुरक्षित गर्भपात सेवाएँ प्रदान की जा रही हैं। इनके अलावा 193 शासकीय चिकित्सालयों में भी सुरक्षित गर्भपात संबंधी सेवाएँ उपलब्ध हैं।
- राज्य में सुरक्षित गर्भपात सेवाओं के संचालन में आईपास डवेलपमेंट फाउंडेशन (Ipas Development Foundation) द्वारा सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

भिलाई चरौदा, बिरगाँव एवं धमतरी में डायरेक्ट भवन अनुज्ञा परियोजना का हुआ शुभारंभ

चर्चा में क्यों ?

28 अप्रैल, 2023 को छत्तीसगढ़ के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के मंत्री डॉ. शिव कुमार डहरिया ने प्रदेश के तीन नगर निगमों भिलाई चरौदा, धमतरी और बिरगाँव में ऑनलाइन भवन अनुज्ञा परियोजना का वर्चुअली शुभारंभ किया, जिससे प्रदेश के सभी नगर निगमों में भवन निर्माण का नक्शा पास करने की प्रक्रिया ऑनलाइन हो गई है।

प्रमुख बिंदु

- विदित है कि प्रदेश की 11 नगर निगमों में ऑनलाइन भवन अनुज्ञा परियोजना पहले ही प्रारंभ हो चुकी है।
- इस सॉफ्टवेयर में सभी फिजिकल टच प्वाइंट को हटाया गया है, जिससे नागरिकों को भवन अनुज्ञा से संबंधित कार्य हेतु कार्यालय जाने की आवश्यकता नहीं है, दस्तावेजों का परीक्षण भी ऑनलाइन होगा एवं ऑनलाइन भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध है। नागरिकों को अब इस सुविधा का घर पर ही लाभ मिलेगा।

नोट :

- अधिकारियों के लिये भी इस सॉफ्टवेयर में समय-सीमा तय की गई है, जिससे यह सुविधा नागरिकों को समय-सीमा में दी जा सके।
- इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से, छत्तीसगढ़ मॉडल के डायरेक्ट भवन अनुज्ञा प्रोजेक्ट को भी इन शहरों में प्रारंभ किया गया है, अर्थात इन शहरों के नागरिकों को अब केवल एक क्लिक और एक रुपए में 5000 वर्ग फुट तक के घर बनाने की अनुमति मिलेगी।
- इस प्रक्रिया के माध्यम से, शहरों को भवन अनुज्ञा प्रक्रिया को एक सरल, त्वरित और आसान सिस्टम में बदलने का प्रयास किया जा रहा है।
- छत्तीसगढ़ मॉडल पर आधारित इस सॉफ्टवेयर का विकास नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अर्बन अफेयर्स द्वारा नेशनल अर्बन डिजिटल मिशन के तहत किया गया है।

मुख्यमंत्री ने पुस्तक 'बासी' का किया विमोचन

चर्चा में क्यों ?

30 अप्रैल, 2023 को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने निवास कार्यालय में डॉ. गीतेश कुमार अमरोहित की पुस्तक 'बासी' का विमोचन किया।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री को डॉ. गीतेश अमरोहित ने बताया कि बासी छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति का अभिन्न अंग है। पिछले वर्ष पूरे प्रदेश के साथ विदेशों में भी बोरे बासी दिवस पूरे उल्लास के साथ मनाया गया। इस आयोजन से प्रेरित होकर उन्हें बासी पर किताब लिखने का विचार आया।
- इस पुस्तक में बासी से संबंधित विभिन्न जानकारियाँ, जैसे- बासी बनाने की विधि, बासी के पोषक तत्त्व, बासी खाने से विभिन्न बीमारियों में होने वाले लाभ, छत्तीसगढ़ के लोक जीवन में बासी का महत्त्व सहित बासी की अन्य विशेषताओं का संकलन किया गया है।
- पिछले वर्ष बोरे बासी दिवस पर विदेशों में भी मनाया गया, जिसके विषय में भी जानकारी किताब में दी गई है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को फ्राँस की यूनिवर्सिटी ने डॉक्टरेट की उपाधि से नवाज़ा

चर्चा में क्यों ?

29 अप्रैल, 2023 को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को विश्व प्रसिद्ध सोरबोन यूनिवर्सिटी द्वारा छत्तीसगढ़ की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सीमित एवं स्थानीय संसाधनों की उपयोगिता के साथ आगे बढ़ाने की विशिष्ट पहल के लिये डॉक्टरेट की उपाधि से नवाज़ा गया।

प्रमुख बिंदु

- यह उपाधि श्री अरोबिंदो फाउंडेशन द्वारा राजधानी रायपुर स्थित होटल सायाजी में आयोजित सोरबोन यूनिवर्सिटी ऑफ पेरिस, फ्राँस के कार्यक्रम 'ग्लोबल अवार्ड्स 2023' में दी गई।
- उल्लेखनीय है कि सोरबोन यूनिवर्सिटी का वैश्विक शैक्षणिक परिदृश्य में बड़ा स्थान है। यहाँ से निकले छात्र-छात्राओं को 33 नोबेल पुरस्कार मिल चुके हैं। इस यूनिवर्सिटी ने मुख्यमंत्री द्वारा छत्तीसगढ़ में गोधन न्याय योजना के तहत गोबर खरीदी एवं सुराजी ग्राम योजना के तहत नरवा, गरवा, घुरवा, बाड़ी कार्यक्रम के संचालन की सराहना भी की है।
- मुख्यमंत्री द्वारा ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास को आगे बढ़ाने के लिये जो उल्लेखनीय कार्य किये गए हैं, उन पर यूनिवर्सिटी के शोधार्थी एवं प्रोफेसर रिसर्च पेपर भी तैयार कर रहे हैं, जिसे यूनिवर्सिटी के विश्व प्रसिद्ध रिसर्च जनरल पर प्रकाशित किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने प्रदेश स्तरीय श्रमिक सम्मेलन में की महत्त्वपूर्ण घोषणाएँ

चर्चा में क्यों ?

1 मई 2023 को छतीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित प्रदेश स्तरीय श्रमिक सम्मेलन में राज्य में संचालित विभिन्न योजनाओं से संबंधित महत्त्वपूर्ण घोषणाएँ की।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री निर्माण मजदूर मंथली सीजन टिकट कार्ड योजना के अंतर्गत ऐसे पंजीकृत निर्माण श्रमिक जो निर्माण कार्य के लिये अपने घर से अन्य स्थानों पर रेल/बस के माध्यम से प्रतिदिन आना जाना (यात्रा) करते है। उन्हें मंडल द्वारा रेल मंडल एवं परिवहन विभाग तथा नगर निगम द्वारा निर्धारित दर अनुसार 50 कि.मी. तक यात्रा हेतु मासिक टिकट कार्ड (MST) प्रदान किया जाएगा, जिसके माध्यम से ऐसे श्रमिकों को यात्रा पर होने वाला संपूर्ण व्यय छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल करेगा।
- मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना के अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों की कार्यस्थल पर दुर्घटना में मृत्यु पर देय सहायता राशि रुपए 1 लाख से बढ़ाकर रुपए 5 लाख तथा स्थायी दिव्यांगता पर देय सहायता राशि रुपए 50 हज़ार से बढ़ाकर रुपए 2.5 लाख किया जा रहा है। साथ ही अपंजीकृत श्रमिक की कार्यस्थल पर दुर्घटना से मृत्यु होने पर रुपए 1 लाख सहायता प्रदान की जाएगी।
- मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक आवास सहायता योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक निर्माण श्रमिकों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से योजना के पूर्व प्रावधान को अधिक्रमित करते हुए नवीन आवास क्रय/नवीन आवास निर्माण के लिये एकमुश्त राशि रुपए 50,000/- अनुदान प्रदान किया जाएगा।
- दुर्घटना में चिकित्सा सहायता योजना का नाम परिवर्तित होकर 'मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक दीर्घायु सहायता योजना'के नाम से जाना जाएगा, साथ ही अब इस योजना अंतर्गत हृदय की शल्य क्रिया, गुर्दा का प्रत्यारोपण, लीवर का प्रत्यारोपण, मस्तिक की शल्य क्रिया, रीढ़ की हड्डी की शल्य क्रिया, पैर के घुटने की शल्य क्रिया, कैंसर इलाज, लकवा ग्रसित जैसे गंभीर बीमारी से पीड़ित पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को शासन के अन्य योजनाओं के अतिरिक्त रुपए 20,000/- तक अनुदान प्रदान किया जाएगा।

आभार सम्मेलन में आँगनबाड़ी, सहायिका, मितानिनों के लिये मुख्यमंत्री ने की विभिन्न घोषणाएँ

चर्चा में क्यों ?

2 मई 2023 को छतीसगढ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित आभार सम्मेलन में आँगनबाड़ी सहायिका, मितानिनों ने ताली बजाकर आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विभिन्न घोषणाएँ की।

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य के लिये 6 आँगनबाड़ी कार्यकर्त्ता और 5 मितानिनों को सम्मानित किया गया। साथ ही महिला कोष से 6 स्व-सहायता समूहों को 10 लाख रुपए के ऋण राशि का चेक सौंपा गया।
- इस सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने अनेक घोषणाएँ की जिनमें प्रमुख हैं-
  - सक्षम योजना के अंतर्गत योजना के लाभ के लिये महिलाओं की वार्षिक आय की सीमा 1 लाख रुपए से बढ़ाकर 2 लाख रुपए किया जाएगा।
  - महिला समूहों को दिये जाने वाली ऋण राशि की सीमा 4 लाख से बढ़ाकर 6 लाख किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने 5000 आँगनबाड़ी भवनों के निर्माण की घोषणा भी की।
  - 14 नवंबर को आँगनबाड़ी कार्यकर्त्ता, सहायिका को सम्मानित किया जाएगा।
  - ब्लॉक कोऑर्डिनेटर तथा मास्टर ट्रेनर के लिये पावस सत्र से व्यवस्था करने की घोषणा की।
  - आँगनबाड़ी कार्यकर्त्ताओं का मानदेय बढ़ाकर 10 हज़ार एवं मितानिन बहनों को 2200 रुपए प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की।

नोट :

पटेल, कोटवार और होमगार्ड के आभार सम्मेलन में गौठान समिति के लिये मानदेय का अंतरण

चर्चा में क्यों ?

03 मई, 2023 को छतीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा राजधानी रायपुर के साईंस कॉलेज मैदान में पटेल, कोटवार और होमगार्ड के आभार सम्मेलन और गौठान समितियों के पदाधिकारियों के प्रशिक्षण सह-सम्मेलन कार्यक्रम में गौठान समिति के अध्यक्ष और अशासकीय सदस्यों को 1 करोड़ 56 लाख रुपए का मानदेय अंतरण किया गया।

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गोधन न्याय योजना के तहत गोबर विक्रेताओं को गोबर विक्रय राशि 9 करोड़ 80 लाख रुपए का अंतरण किया। इसमें गोबर विक्रेताओं के लिये 3 करोड़ 80 लाख तथा गौठान समिति एवं स्व-सहायता समूहों के लिये 6 करोड़ रुपए शामिल हैं।
- प्रत्येक गौठान के प्रबंधन के लिये 13 सदस्य नियुक्त हैं। प्रत्येक स्वावलंबी गौठान अध्यक्ष को 750 रुपए तथा अशासकीय सदस्यों को पाँच-पाँच सौ रुपए प्रतिमाह का मानदेय आज से प्रदान किया जा रहा है।
- इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पंडित झाबरमल शर्मा द्वारा लिखित 'भारतीय गोधन'पुस्तक का विमोचन किया।
- यह पुस्तक करीब सौ वर्ष पूर्व लिखी गई थी एवं इसका पुन: प्रकाशन किया गया है। साथ ही उन्होंने भागवत जायसवाल द्वारा लिखित पुस्तक 'कोटवार'का विमोचन किया।

19 चिह्नित विषयों पर युवा वैज्ञानिकों को दिया गया अवॉर्ड

चर्चा में क्यों ?

5 मई, 2023 को छत्तीसगढ में आयोजित दो दिवसीय 18 वें युवा वैज्ञानिक सम्मेलन का समापन हुआ जिसमें 19 चिह्नित विषयों में युवा वैज्ञानिकों को यंग साइंटिस्ट अवॉर्ड- 2023 प्रदान किया गया।

प्रमुख बिंदु

- इस सम्मेलन में युवा वैज्ञानिकों को 21 हज़ार रुपए पुरस्कार राशि, मेडल तथा प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।
- साइंटिस्ट अवॉर्ड से सम्मानित युवा वैज्ञानिक को किसी राष्ट्रीय प्रयोगशाला, राष्ट्रीय अनुसंधान केंद्र और विश्वविद्यालय में शोध कार्य के लिये अवसर प्रदान किया जाएगा।

नोट :

- यंग साइंटिस्ट अवॉर्ड- 2023 से सम्मानित युवा वैज्ञानिकों में एग्रीकल्चर साइंस में रीचा साव एवं सोनल उपाध्याय, डिपार्टमेंट ऑफ जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग, कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर ; एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एवं टेक्नालॉजी में छाया भटे, रसायन अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय ; बायोलॉजी में रसलिन कौर, जैव प्रौद्योगिकी अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय ;. बायोटेक्नालॉजी, बायोकेमिस्ट्री, बायोइनफॉरमेटिक्स एण्ड बायोमेडिकल साइंसेस में अनिता भोई, जैव प्रौद्योगिकी अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय ; कैमिकल साइंसेस में लवकेश कुमार सिंह तंवर, रसायन अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय आदि शामिल है।
- इसी प्रकार अर्थ एवं एटमॉस्फेरिक साइंसेस में तनवीर हैदर, एन.आई.टी ; कैमिकल इंजीनियरिंग में अनुश्री साहा, रसायन अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय; कम्प्यूटर साइंस, इलेक्ट्रॉनिक्स, आई.टी. एंड इंस्ट्रूमेंटेशन में मयंक लोवांशी, आई.आई.आई.टी; सिविल एवं आर्किटेक्चर इंजीनियरिंग में श्यामंतिका सरकार, डिपार्टमेंट ऑफ आर्किटेक्चर, एन.आई.टी ; इलेक्ट्रिकल एण्ड इलेक्ट्रानिक इंजीनियरिंग में आयुषी शर्मा, डिपार्टमेंट ऑफ इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, एन.आई.टी ;मेकिनिकल मेक्ट्रॉनिक्स एण्ड प्रोडक्शन इंजीनियरिंग में राजीव नयन, रसायन अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय; इनवॉयरमेंटल साइंसेस, इंजीनियरिंग एण्ड फारेस्ट्री में एश्वर्याश्री ताम्रकार, रसायन अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय ;होमसाइंसेस एण्ड बिहेवियरल साइंसेस में भानु प्रताप नायक, शा. डी. बी. कन्या महाविद्यालय आदि सम्मानित किया गया।
- लाइफ साइंसेस से निशा गुप्ता, जैव प्रौद्योगिकी अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय ; मैथेमेटिकल एवं स्टेटिस्टिकल साइंसेस में शिखा तिवारी, गणित अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय; मेडिकल एण्ड फार्मास्यूटिकल साइंसेस में शारदा गुप्ता, डिपार्टमेंट ऑफ बायोमेडिकल इंजीयरिंग, एन.आई.टी. ; भौतिकी शास्त्र में कंचन तिवारी, भौतिकी विभाग, शा. नागार्जुन पी.जी. विज्ञान महाविद्यालय ; वेटिनरी साइंस, एनिमल हसबेंड्रि एण्ड डेयरी टेक्नालॉजी, में अंकिता ठाकरे, कॉलेज ऑफ वेटिनरी साइंस एण्ड एनिमल हसबेंड्रि, अंजोरा एवं माइंनिंग मेटिलर्जी एण्ड एप्लाईड जियोलॉजी में सोनली स्वागतिका, रिजनल रिसर्च सेंटर, सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ एंड फ्यूल रिसर्च, बिलासपुर को सम्मानित किया गया।
- उल्लेखनीय है कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद तथा पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रेक्षागृह में इस युवा वैज्ञानिक सम्मेलन का आयोजन किया गया।

छत्तीसगढ़ के उच्च शिक्षा विभाग को मिला राष्ट्रीय स्तर का प्रतिष्ठित स्कॉच सिल्वर अवार्ड

चर्चा में क्यों ?

8 मई, 2023 को छत्तीसगढ़ के उच्च शिक्षा विभाग के 'प्रोजेक्ट असेसमेंट एंड एक्रेडिटेशन' को देश की प्रतिष्ठित स्कॉच सिल्वर अवार्ड प्रदान किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- उच्च शिक्षा विभाग को यह अवार्ड देश के कई बड़े एवं महत्त्वपूर्ण प्रोजेक्ट के साथ प्रतियोगिता करते हुए कई चरणों की प्रस्तुतीकरण वोटिंग एवं उपलब्धियों के कारण प्रदान किया गया है।
- उच्च शिक्षा के स्तर की गुणवत्ता बढ़ाने के लिये नैक के द्वारा निर्धारित विभिन्न मापदंडों के अनुरूप शैक्षणिक अधोसंरचना एवं अकादमिक स्तर की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिये मिशन मोड पर नैक से संबद्धता प्राप्त करने का अभियान प्रारंभ किया गया है।
- गौरतलब है कि कुल 211 अहर्ता प्राप्त शासकीय महाविद्यालयों में से 197 शासकीय महाविद्यालयों का नैक से मूल्यांकन कराकर छत्तीसगढ़ देश में सर्वोच्च स्थान पर है।
- सरकार के लगातार प्रयासों से कॉलेज में प्रवेश लेने वालों छात्रों की संख्या लगातार बढ़ रही है। जहाँ 2018-19 में करीब 2 लाख 26 हज़ार 373 छात्रों ने कॉलेज में प्रवेश लिया वहीं यह संख्या वर्ष 2022-23 में 48 प्रतिशत बढ़कर 3 लाख 35 हज़ार 139 हो गई है, जो कि 2018-19 की तुलना में एक लाख 8 हज़ार 766 अधिक है।
- कॉलेज में पढ़ने वाले छात्रों की बढ़ती संख्या को देखते हुए छत्तीसगढ़ में विगत 4 वर्षों में कुल 33 नवीन शासकीय एवं 76 अशासकीय महाविद्यालय की स्थापना की गई है।

नोट :

- राज्य में उच्च शिक्षा में लड़कियों को प्रोत्साहन देने के लिये 26 कन्या महाविद्यालय का संचालन किया जा रहा है। अन्य महाविद्यालय में सह-अध्ययन की सुविधा उपलब्ध है। वर्ष 2018-19 में जहाँ 91,982 छात्रों की तुलना में 1,34,391 छात्राओं ने कॉलेज में एडमिशन लिया वहीं 2022-23 में छात्रों की संख्या 1,28,310 की तुलना में छात्राओं की संख्या 2,06,829 हो गई है। इस प्रकार छात्रों की तुलना में छात्राओं का संख्या 61 प्रतिशत अधिक है।

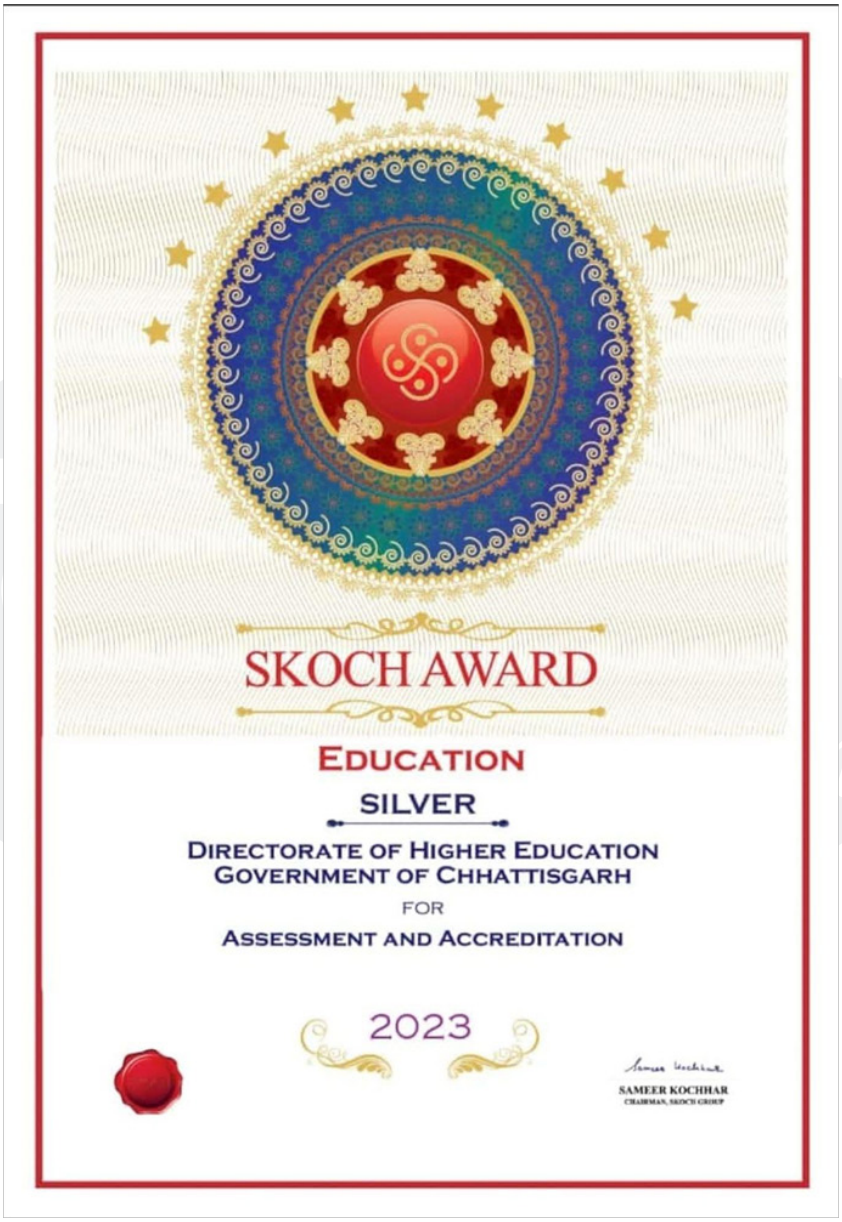

मुंगेली ज़िला को मिला श्रेष्ठ निक्षय मित्र का सम्मान

चर्चा में क्यों ?

8 मई, 2023 को छत्तीसगढ़ के राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने विश्व रेडक्रॉस दिवस के उपलक्ष्य पर राजभवन में आयोजित समारोह में कलेक्टर एवं अध्यक्ष रेडक्रॉस सोसाइटी ज़िला शाखा मुंगेली को श्रेष्ठ निक्षय मित्र के रूप में सम्मानित किया।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- मुंगेली कलेक्टर राहुल देव की ओर से ज़िला टीकाकरण अधिकारी डॉ. कमलेश खैरवार ने यह पुरस्कार ग्रहण किया।
- उल्लेखनीय है कि मुंगेली ज़िले को छत्तीसगढ़ रेडक्रॉस सोसायटी के माध्यम से अधिक से अधिक टीबी मरीजों को गोद लेकर छत्तीसगढ़ राज्य में श्रेष्ठ निक्षय मित्र बनने का गौरव प्राप्त हुआ है।
- इस अवसर पर राज्यपाल ने प्रधानमंत्री टी.बी. मुक्त भारत अभियान में सक्रिय रूप से काम करने वाले कई अन्य निक्षय मित्रों एवं ज़िलों के ज़िलाधीशों को सम्मानित किया, जिसमें महासमुंद के कलेक्टर निलेश कुमार क्षीरसागर को भी सम्मानित किया गया।
- उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 9 सितंबर, 2022 को वर्चुअल रूप में प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान लांच किया था। भारत में विश्व के कुल टीबी मरीजों का 25 प्रतिशत से अधिक है।
- संयुक्त राष्ट्र सतत् विकास लक्ष्यों के अनुसार सभी देशों ने 2030 तक टीबी उन्मूलन का लक्ष्य तय किया है, लेकिन भारत सरकार ने वर्ष 2025 तक टीबी उन्मूलन का लक्ष्य रखा है और इस संकल्प को पूरा करने के लिये प्रत्येक स्तर पर प्रयास किये जा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ के तीन शहीद जवानों को सर्वोच्च बलिदान के लिये मिला कीर्ति चक्र

चर्चा में क्यों ?

9 मई 2023 राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने छत्तीसगढ़ के तीन शहीद जवानों को नक्सल ऑपरेशन में सर्वोच्च साहस और बलिदान के लिये कीर्ति चक्र से सम्मानित किया है।

प्रमुख बिंदु

- राष्ट्रपति मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन नई दिल्ली में आयोजित समारोह में छत्तीसगढ़ में नक्सल ऑपरेशन में शहीद उपनिरीक्षक दीपक भारद्वाज की पत्नी प्रंतिका भारद्वाज, शहीद प्रधान आरक्षक सोढ़ी नारायण की पत्नी सुशीला सोढ़ी तथा शहीद एसटीएफ प्रधान आरक्षक श्रवण कश्यप की पत्नी दुतिका कश्यप को कीर्ति चक्र प्रदान किया।
- इन तीनों जवानों को राष्ट्रपति द्वारा बस्तर अंचल के बीजापुर ज़िले में हुए नक्सल ऑपरेशन में सर्वोच्च साहस और बलिदान के लिये कीर्ति चक्र प्रदान कर सम्मानित किया गया है।
- गौरतलब है कि उपनिरीक्षक शहीद दीपक भारद्वाज छत्तीसगढ़ के जांजगीर चांपा ज़िले के मालखरौदा के पिहरीद, आरक्षक शहीद सोढ़ी नारायण बीजापुर ज़िले पुनुर और एसटीएफ प्रधान आरक्षक शहीद श्रवण कश्यप बस्तर ज़िले के बनिया गाँव के रहने वाले थे।

वाई-फाई सुविधा से लैस प्रदेश का पहला रूरल इंडस्ट्रियल पार्क बना बेलटुकरी

चर्चा में क्यों ?

11 मई 2023 को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मस्तूरी विधानसभा में भेंट मुलाकात कार्यक्रम के दौरान ग्राम बेलटुकरी में महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिक पार्क 'रीपा' का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- वाई-फाई सुविधा प्रारंभ होने के साथ बेलटुकरी रूरल इंडस्ट्रियल पार्क इस सुविधा से लैस प्रदेश का पहला रीपा बन गया है। इसमें कार्यरत लोगों को अब निःशुल्क इंटरनेट की सुविधा मिलेगी।
- उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने 5 मई को रीपा की गतिविधियों की समीक्षा के दौरान इसे वाईफाई सुविधा से लैस करने की घोषणा की थी।
- गौरतलब है कि राज्य सरकार द्वारा छोटे-छोटे उद्योग धंधों के लिये रीपा में पानी, बिजली, ज़मीन जैसी सभी जरूरी बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं, इसी कड़ी में बेलटुकरी में वाई-फाई सुविधा का मुख्यमंत्री ने शुभारंभ किया।
- इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बेलटुकरी रीपा में उत्पादित विभिन्न वस्तुओं के कैटलॉग का भी विमोचन किया।
- गौरतलब है कि रीपा के माध्यम से गाँव के लोगों को जरूरी वस्तुएँ आस-पास उपलब्ध हो रही हैं, जिसके कारण अब उन्हें दूर शहरों की ओर नहीं जाना पड़ता। बेलटुकरी रीपा में संचालित बेकरी यूनिट, बोरी सिलाई यूनिट, कपड़ा सिलाई यूनिट, दोना-पत्तल यूनिट के उत्पादों की अच्छी गुणवत्ता के कारण आसपास के शहर-गाँवों से सप्लाई के आर्डर मिलने प्रारंभ हो गए हैं।

नोट :

- विदित है कि 2 अक्तूबर 2022 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गांधी जयंती के अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन की महत्त्वाकांक्षी 'महात्मा गांधी रूरल इंडस्ट्रियल पार्क योजना' का शुभारंभ किया था और प्रदेश के विभिन्न ज़िलों में 300 रूरल इंडस्ट्रियल पार्क का भूमिपूजन और शिलान्यास किया।
- ग्रामीण गरीब परिवारों के लिये रोज़गार और आय के साधन उपलब्ध कराने के लिये गाँव के गौठानों को रूरल इंडस्ट्रियल पार्क के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके लिये यहाँ विभिन्न आजीविका मूलक गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं।

द्वितीय विश्व मल्लखंब चैंपियनशिप में अबूझमाड़ के तीन खिलाड़ियों ने जीता स्वर्ण पदक

चर्चा में क्यों ?

13 मई, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ के नारायणपुर ज़िले के अबूझमाड़ के 3 मल्लखंब खिलाड़ियों-संतोष शोरी, संताय पोटाई व जयंती कचलाम ने भूटान में आयोजित द्वितीय वर्ल्ड मल्लखंब चैंपियनशिप में भारत की राष्ट्रीय टीम की ओर से खेलते हुए स्वर्ण पदक जीते हैं।

प्रमुख बिंदु

- विदित है कि इस चैंपियनशिप का आयोजन 9 से 12 मई, 2023 तक भूटान में किया गया।
- इस चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ के तीनों ही खिलाड़ियों ने बालक और बालिका वर्ग की टीम चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक प्राप्त किया है। संतोष शोरी ने राष्ट्रीय बालक टीम और संताय पोटाई व जयंती कचलाम ने राष्ट्रीय बालिका टीम की ओर से चैंपियनशिप में हिस्सा लिया।
- विदित है कि अबूझमाड़ भारत का ऐसा जनजातीय क्षेत्रों से एक है जिसे आज भी अनछुआ माना जाता हैं, यहाँ के लोगों की जीवनशैली जंगल से जुड़ी है।
- उल्लेखनीय है कि वर्ल्ड मल्लखंब चैंपियनशिप में भारत, जापान, अमरीका, साउथ अफ्रीका, ब्राज़ील, बहरीन आदि कई देशों के 200 से ज्यादा खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।
- संतोष शोरी ने नारायणपुर के देवगाँव, पोर्टा केबिन स्कूल में कक्षा पाँचवी (2017) से मल्लखंब का अभ्यास शुरू किया, 2020 बिलासपुर इन्विटेशनल नेशनल चैंपियनशिप में उन्हें पहला स्वर्ण पदक मिला। इसके बाद सितंबर 2021 में उज्जैन में आयोजित प्रतियोगिता में 2 मेडल भी प्राप्त किये।
- इन्होनें 2022 जून को आयोजित खेलो इंडिया में 1 काँस्य पदक, 2022 अक्टूबर को गुजरात में आयोजित नेशनल गेम्स में 1 काँस्य पदक, 2023 फरवरी को आयोजित खेलो इंडिया में 2 काँस्य पदक भी प्राप्त किये। संतोष शोरी ने अब तक राज्य व राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में कुल 18 पदक जीते हैं।
- इसी तरह संताय पोटाई राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर 17 पदक जीत चुकी हैं। जयंती कचलाम कक्षा 12वीं की छात्रा हैं, वे पिछले 4 वर्षों से मल्लखंब का अभ्यास कर रही हैं और अब तक राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर कुल 14 पदक जीत चुकी हैं।
- इन खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर भारत की राष्ट्रीय टीम में उनका चयन हुआ।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने छत्तीसगढ़ के सात अस्पतालों को प्रदान किया एनक्यूएएस सर्टिफिकेशन

चर्चा में क्यों ?

12 मई, 2023 को केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने छत्तीसगढ़ के दूरस्थ वनांचल में स्थित सुकमा ज़िला अस्पताल को उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाओं के लिये राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (NQAS – National Quality Assurance Standard) प्रमाण पत्र तथा बेहतर प्रसूति सुविधाओं के लिये लक्ष्य (LaQshya) प्रमाण पत्र से नवाज़ा है।

प्रमुख बिंदु

- केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्य के 7 शासकीय अस्पतालों को एनक्यूएएस प्रमाणपत्र प्रदान किया है। इनमें 3 ज़िला चिकित्सालय, 2 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 1 शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तथा 1 हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर शामिल है।

नोट :

- गौरतलब है कि स्वास्थ्य मंत्रालय की टीम द्वारा इस वर्ष जनवरी से अप्रैल माह के बीच इन अस्पतालों का निरीक्षण कर मरीजों के लिये उपलब्ध सेवाओं की गुणवत्ता का परीक्षण किया गया था। टीम ने इस संबंध में मरीजों से भी फीडबैक लिया था।
- केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने 'मुस्कान'कार्यक्रम के अंतर्गत कवर्धा ज़िला चिकित्सालय और 'एनक्यूएएस'कार्यक्रम के तहत दुर्ग ज़िला चिकित्सालय को भी राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण पत्र जारी किया है।
- मुंगेली ज़िले के खपरीकला प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और गरियाबंद के खड़मा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के साथ बिलासपुर के राजकिशोर नगर शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को भी यह प्रमाणपत्र जारी किया गया है।
- बस्तर अंचल में ही स्थित देश के पहले हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर बीजापुर ज़िले के जांगला को भी गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के लिये राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाणपत्र प्रदान किया गया है। पाँच साल पहले इस हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर का शुभारंभ किया गया था।
- उल्लेखनीय है कि सुकमा और बीजापुर जैसे दूरस्थ अंचलों में स्थित शासकीय अस्पतालों को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाणपत्र एवं लक्ष्य प्रमाणपत्र मिलना इस बात का संकेत है कि राज्य में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएँ सभी क्षेत्रों तक पहुँच रही हैं।
- सुकमा ज़िला चिकित्सालय को 'एनक्यूएएस'कार्यक्रम के अंतर्गत स्वास्थ्य मंत्रालय की टीम के मूल्यांकन में 93 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए हैं, वहीं 'लक्ष्य'कार्यक्रम के तहत लेबर रूम के मूल्यांकन में 93 प्रतिशत और मैटरनिटी ओटी के मूल्यांकन में 87 प्रतिशत अंक मिले हैं।
- जांगला हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर को 80 प्रतिशत, खपरीकला प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को 81 प्रतिशत, खड़मा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को 84 प्रतिशत और राजकिशोर नगर शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को 85 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए हैं।
- स्वास्थ्य मंत्रालय की टीम के मूल्यांकन में दुर्ग ज़िला अस्पताल ने 88 प्रतिशत और कवर्धा ज़िला अस्पताल ने 93 प्रतिशत अंक हासिल किये हैं।
- ज्ञातव्य है कि राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण-पत्र प्रदान करने के पूर्व भारत सरकार के विशेषज्ञों की टीम द्वारा अस्पताल की सेवाओं और संतुष्टि स्तर का विभिन्न मानकों पर परीक्षण किया जाता है।
- इनमें उपलब्ध सेवाएँ, मरीजों के अधिकार, इनपुट, सपोर्ट सर्विसेस, क्लिनिकल सर्विसेस, इन्फेक्शन कंट्रोल, गुणवत्ता प्रबंधन और आउटकम जैसे पैरामीटर शामिल हैं। इन कड़े मानकों पर खरा उतरने वाले अस्पतालों को ही केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा गुणवत्ता प्रमाण-पत्र जारी किये जाते हैं।

छत्तीसगढ़ में पहली बार 'राष्ट्रीय रामायण महोत्सव' का आयोजन

चर्चा में क्यों ?

16 मई, 2023 को छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की विशेष पहल पर राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव की तर्ज पर रायगढ़ में आगामी माह के 1 जून से 3 जून तक तीन दिवसीय भव्य राष्ट्रीय रामायण महोत्सव का आयोजन किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- संस्कृति विभाग द्वारा इस आयोजन की जोर-शोर से तैयारियाँ की जा रही है। आदिवासी नृत्य महोत्सव की तरह ही देश के विभिन्न राज्यों सहित विदेशी कलाकारों को आमंत्रित किया जा रहा है। जल्द ही छत्तीसगढ़ की धरा पर देश-विदेश के कलाकारों द्वारा रामायण की अनूठी प्रस्तुति देखने को मिलेगी।
- छत्तीसगढ़ से भगवान श्री राम का गहरा रिश्ता है। मान्यता है कि वनवास के दौरान प्रभु श्रीराम दंडकारण्य से होकर गुजरे थे और छत्तीसगढ़ के वनों का हिस्सा ही दंडक अरण्य (दंडकारण्य) का भाग था। इस बात को दृष्टिगत रखते हुए आयोजन में अरण्य कांड के प्रसंगों पर विशेष प्रस्तुतियाँ होंगी।
- संस्कृति विभाग के अधिकारियों ने बताया कि रामायण महोत्सव में देश के विभिन्न राज्यों से आने वाले मानस मंडली के कलाकार दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक और विदेशों से आने वाले मानस मंडली के द्वारा रात्रि 8 बजे से रात्रि 10 बजे तक प्रस्तुति दी जाएगी।
- इस भव्य आयोजन में अरण्य कांड पर केंद्रित प्रसंगों पर विभिन्न राज्यों से आए मानस दलों के साथ ही विदेशी दलों के द्वारा रामायण की प्रस्तुति की जाएगी।

नोट :

- राष्ट्रीय रामायण महोत्सव में सामूहिक हनुमान चालीसा एवं भव्य केलो आरती का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें हज़ारों की संख्या में दीपदान किया जाएगा।
- संस्कृति विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में पहली बार संस्कृति विभाग द्वारा राष्ट्रीय रामायण महोत्सव का आयोजन रायगढ़ के राम लीला मैदान में किया जाएगा।
- इस महोत्सव में शामिल होने वाली मानस मंडलियों को पुरस्कृत किया जाएगा, जिसमें प्रथम पुरस्कार 5 लाख रुपए, द्वितीय पुरस्कार 3 लाख रुपए और तृतीय पुरस्कार की राशि 2 लाख रुपए तय की गई है।
- राज्य सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्तर के इस आयोजन से प्रदेश की संस्कृति को संजोने की दिशा में एक अनोखी पहल होगी।
- उल्लेखनीय है कि रामायण की कथा अनेक भाषाओं में लिखी गई है और अनेक देशों में इनका मंचन होता है। इनकी सुंदर प्रस्तुति का मंच रायगढ़ में रामलीला मैदान बनेगा। देश में रामलीला की अनवरत परंपरा रही है। जब रामकथा को महोत्सव के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा तो बड़ी संख्या में लोग राम कथा के माध्यम से उनके आदर्शों की शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे।
- छत्तीसगढ़ में तुलसीदास जी का रामचरित मानस जन-जन में व्याप्त है। अब रामायण महोत्सव के माध्यम से वाल्मीकि से लेकर भवभूति तक भगवान राम के आदर्शों की झलक देखने का अवसर दर्शकों को मिल सकेगा।
- रामायण का विस्तार कंबन के तमिल रामायण से लेकर कृतिवास के बंगला रामायण तक है। इसके साथ ही दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों में भी इसके कई रूप प्रचलित है। रामायण महोत्सव के माध्यम से श्रीराम के चरित्र के इन सुंदर रूपों की झलक दर्शकों को मिल सकेगी।

गोबर पेंट से बनी पेंटिंग लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज

चर्चा में क्यों ?

16 मई, 2023 को छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ में विश्व पृथ्वी दिवस पर छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में इको क्लब के विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई गोबर की पेंटिंग को 'लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड'में दर्ज किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- इको क्लब के विद्यार्थियों द्वारा गोबर पेंट से एक घंटे में 3600 वर्ग फीट की पेंटिंग बनाई गई, जिसे 'गोबर पेंट से बनी सबसे बड़ी पेंटिंग'के रूप में 'लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड' में दर्ज किया गया है।
- गौरतलब है कि विश्व पृथ्वी दिवस 22 अप्रैल, 2023 के अवसर पर इको क्लब के विद्यार्थियों ने 'इनवेस्ट इन आवर प्लैनेट'थीम पर लाईफ अभियान के तहत एक घंटे में यह पेंटिंग बनाई थी।
- यह पेंटिंग राजधानी रायपुर के एक मॉल में 100 से अधिक बच्चों ने बनाई थी।
- छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल द्वारा पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण पर 2 दिवसीय जागरूकता अभियान भी चलाया गया था।

मुख्यमंत्री ने किया रूरल इंडस्ट्रियल पार्क में ज़िले के पहले वाई-फाई जोन का शुभारंभ

चर्चा में क्यों ?

17 मई, 2023 को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने धमतरी विधानसभा में भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दौरान ग्राम अछोटा में महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिक पार्क में ज़िले के पहले वाई-फाई ज़ोन का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- ग्राम अछोटा में महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिक पार्क में ज़िले के पहले वाई-फाई ज़ोन के शुरु होने से रूरल इंडस्ट्रियल पार्क में कार्यरत लोगों को एवं गढ़कलेवा में आने वाले लोगों को नि:शुल्क इंटरनेट की सुविधा मिलेगी। इसके अलावा स्कूली बच्चे भी इस सुविधा का लाभ उठा सकेंगे।

नोट :

- उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने इस माह की 5 तारीख को रूरल इंडस्ट्रियल पार्क की गतिविधियों की समीक्षा के दौरान रीपा को वाई-फाई सुविधा से लैस करने की घोषणा की थी।
- यहाँ वाई-फाई सुविधा के शुभारंभ से रीपा इस सुविधा से लैस ज़िले का पहला रूरल इंडस्ट्रियल पार्क बन गया है।
- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भेंट-मुलाकात के दौरान स्थानीय निवासियों की मांग पर धमतरी शहर में मिनी स्टेडियम के निर्माण की घोषणा भी की।

खाद्य प्रसंस्करण मिशन: साढ़े चार साल में 737 इकाईयों में 1398 करोड़ रुपए का हुआ निवेश

चर्चा में क्यों ?

18 मई, 2023 को छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार प्रदेश में लागू 'छत्तीसगढ़ राज्य खाद्य प्रसंस्करण मिशन'के तहत राज्य में पिछले साढ़े चार सालों में 737 नई इकाईयाँ स्थापित हुई जिनमें 1397 करोड़ 24 लाख रुपए का पूंजी निवेश हुआ और 6 हज़ार 896 लोगों को रोज़गार मिला है।

प्रमुख बिंदु

- मिशन के अंतर्गत खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों का तकनीकी उन्नयन, स्थापना व आधुनिकीकरण कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है, जिसमें संयंत्र एवं मशीनरी तथा तकनीकी सिविल कार्यों की लागत का 25 प्रतिशत (अधिकतक 50 लाख रुपए) तक अनुदान दिया जा रहा है।
- इसी प्रकार उद्यानिकी एवं गैर उद्यानिकी क्षेत्रों में नवीन कोल्डचेन हेतु, मूल्य संवर्धन एवं संरक्षण अधोसंरचना का विकास कार्यक्रम के अंतर्गत परियोजना की लागत का 35 प्रतिशत (अधिकतम 5 करोड़ रुपए) तथा बैंक या वित्तीय संस्थाओं द्वारा 5 वर्षों की अवधि के लिये 2 करोड़ रुपए तक की राशि का अनुदान वार्षिक दर पर दिया जा रहा है।
- ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक प्रसंस्करण केंद्र व संग्रहण केंद्र की स्थापना कार्यक्रम के तहत परियोजना लागत का 50 प्रतिशत (2.50 करोड़ रुपए अधिकतम) तक अनुदान दिया जा रहा है। वहीं, रीफर वाहन योजना के अंतर्गत कूलिंग की लागत का 50 प्रतिशत (अधिकतम 50 लाख रुपए) तक का अनुदान अद्यमियों को प्रदाय किया जा रहा है।
- गौरतलब है कि खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों की स्थापना के लिये अनुदान शर्तों में आवेदक की पृष्ठभूमि मजबूत होनी चाहिये यानी आवेदक का नेटवर्थ आवेदन किये गए अनुदान का 1.5 गुणा से अधिक होना चाहिये। सावधि ऋण का लाभ उठाया जाना चाहिये, सावधि ऋण परियोजना लागत का 25 प्रतिशत से कम नहीं होना चाहिये।
- बैंक व वित्तीय संस्थान की परियोजना मूल्यांकन रिपोर्ट में सभी परियोजना घटक शामिल किये जाने चाहिये, जिनके लिये अनुदान मांगा गया है। वाणिज्यिक उत्पादन की तिथि आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की तिथि से पहले नहीं होनी चाहिये। योजना के लिये निर्धारित घटकों में से किन्हीं 2 परियोजना घटकों की स्थापना करनी होगी।
- उल्लेखनीय है कि कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण नीति के तहत प्रदेश में एक नई योजना 'छत्तीसगढ़ राज्य खाद्य प्रसंस्करण मिशन'लागू है।
- खाद्य प्रसंस्करण मिशन का उद्देश्य खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को स्थापित करना, राज्य में खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में अधिक से अधिक निवेश लाना, उत्पादों को उन्नत करने व उनकी क्षमता को बढ़ाने, कृषि उत्पादों का संग्रहण तथा प्रसंस्करण से कृषकों को आर्थिक लाभ देना, खाद्य सुरक्षा तथा स्वच्छता के मानकों में सुधार करना और संगठित खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के लिये बेहतर सहायक प्रणाली की व्यवस्था करना है।

मुख्यमंत्री ने किया 'हमर सुघ्घर लईका अभियान'का शुभारंभ

चर्चा में क्यों ?

21 मई, 2023 को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने दुर्ग ज़िले के सांकरा में आयोजित 'भरोसे का सम्मेलन'कार्यक्रम में 'हमर सुघ्घर लईका अभियान'का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- ज़िले के संबंधित अधिकारियों द्वारा बताया गया कि 'हमर सुघ्घर लईका अभियान'का उद्देश्य ज़िले के सर्वे सूची के आधार पर चिह्नित 18 सौ कुपोषित बच्चों को शीघ्र पोषित बच्चों की श्रेणी में लाना है।

नोट :

- ज़िला स्तर पर शुरू किया जाने वाला यह राज्य में पहला कार्यक्रम है। इस अभियान की विशेषता एपेटाइड टेस्ट के आधार पर बच्चों की ग्रोथ का प्रबंधन करना है।
- इसमें ए.एन.एम. व मितानिन घर-घर जाकर कुपोषण की श्रेणी में आने वाली बच्चों का एपेटाइड टेस्ट करेंगी। इसके अलावा बच्चों की स्क्रीनिंग के लिये शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद कुपोषण की श्रेणी में आने वाले बच्चों के परिवार को एक न्यूट्रिशयन की तरह जागरूक किया जाएगा और उन्हें ट्रेनिंग भी दी जाएगी।
- इस अभियान के अंतर्गत संबंधित परिवार के साथ सामंजस्य स्थापित कर बच्चे की स्थिति बेहतर न होने तक परिवार को प्रशिक्षण व मार्गदर्शन दिया जाएगा।

केंद्रीय कोयला सचिव ने एसईसीएल की 'छाल' रेल साइडिंग का उद्घाटन किया

चर्चा में क्यों ?

20 मई, 2023 को केंद्रीय कोयला मंत्रालय के सचिव अमृत लाल मीणा ने अपने दो दिवसीय छत्तीसगढ़ दौरे के दौरान एसईसीएल, रायगढ़ क्षेत्र में 'छाल'रेल साइडिंग का उद्घाटन किया और राज्य में स्पेशल परपज व्हीकल (एसपीवी) मॉडल पर विकसित किये जा रहे दो रेल कॉरिडोर की प्रगति का भी जायजा लिया।

प्रमुख बिंदु

- कोयला सचिव अमृत लाल मीणा ने बिलासपुर स्थित एसईसीएल मुख्यालय में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (एसईसीआर) के अधिकारियों के साथ छत्तीसगढ़ ईस्ट रेलवे लिमिटेड (सीईआरएल) और छत्तीसगढ़ ईस्ट वेस्ट रेलवे लिमिटेड (सीईडब्ल्यूआरएल) की रेल परियोजनाओं की समीक्षा की।
- छत्तीसगढ़ दौरे के दूसरे दिन कोयला सचिव ने छाल साइडिंग का उद्घाटन किया और रेल रैक को झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके साथ ही उन्होनें एसईसीएल के कोरबा कोलफील्ड्स में छत्तीसगढ़ ईस्ट वेस्ट रेलवे लिमिटेड (सीईडब्ल्यूआरएल) परियोजना के तहत गेवरा रोड से पेंड्रा रोड तक बन रही रेलवे लाइन का निरीक्षण किया।
- छाल साइडिंग का निर्माण छत्तीसगढ़ ईस्ट रेलवे लिमिटेड (सीईआरएल) फेज वन परियोजना के तहत किया गया है और यह रायगढ़ क्षेत्र की छाल खदान को सीधे रेल मार्ग से जोड़ेगी और यहाँ से सीधे रेल द्वारा कोयले का प्रेषण किया जाएगा।
- 3000 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से बन रही छत्तीसगढ़ ईस्ट रेलवे लिमिटेड (सीईआरएल) फेज 1 परियोजना का लक्ष्य मांड-रायगढ़ कोलफील्ड्स को रेल से जोड़ना है।
- 24 किमी. लंबी इस परियोजना के तहत खरसिया से धरमजयगढ़ तक 74 किमी. लंबी मेल लाइन चालू हो चुकी है। इसमें घरघोड़ा से पेल्मा तक स्पर लाइनें और छाल, बड़ौद और दुर्गापुर से फीडर लाइनें भी शामिल हैं।
- कोयले के भंडार की दृष्टि से कोरबा कोलफील्ड्स के बाद मांड-रायगढ़ कोलफील्ड्स का स्थान आता है और जैसे-जैसे कोयला उत्पादन बढ़ेगा, ये रेल परियोजनाएँ आने वाले समय में अधिक से अधिक कोयला भेजने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।
- कोरबा कोलफील्ड में संचालित एसईसीएल की मेगा परियोजनाओं से कोयले की ढुलाई में यह परियोजना अहम भूमिका निभाएगी। यह परियोजना 191 किमी. लंबी है जिसमें 3 किमी. की मुख्य लाइन का कार्य शामिल है।
- इस परियोजना में गेवरा रोड, सुरकछार, दीपका, कटघोरा रोड, बिझारा, पुटुआ, मतीन, सेंदुरगढ़, पुर्टीपाखाना, भादी, धंगावाँ और पेंड्रा रोड स्टेशन शामिल हैं। इन स्टेशनों पर पूरे कॉरिडोर में रेलवे लाइन के साथ-साथ यात्री सुविधाएँ भी विकसित की जाएंगी।
- सीईडब्ल्यूआरएल परियोजना की कुल लागत लगभग 4970 करोड़ रुपए है और इसकी मुख्य लाइन के लिये भूमि अधिग्रहण और वन मंजूरी का काम पूरा हो चुका है। यह परियोजना अगले साल दिसंबर तक पूरी होने की संभावना है।
- विदित है कि एसईसीएल की गेवरा मेगा परियोजना हाल ही में 50 मिलियन टन कोयला उत्पादन हासिल करने वाली देश की पहली खान बन गई है। इसे वर्तमान में 70 मिलियन टन उत्पादन प्राप्त करने के लिये विस्तारित किया जा रहा है जो इसे एशिया में सबसे बड़ी कोयला उत्पादक खदान बना देगा।

नोट :

आवासीय हॉकी अकादमी बिलासपुर की खिलाड़ी गीता यादव का 'खेलो इंडिया वार्षिक स्कॉलरशिप' में चयन

चर्चा में क्यों ?

23 मई, 2023 को छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार बी. आर. यादव. राज्य खेल प्रशिक्षण केंद्र, बहतराई बिलासपुर में खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित आवासीय खेल अकादमी की हॉकी खिलाड़ी कुमारी गीता यादव का चयन भारतीय खेल प्राधिकरण की 'खेलो इंडिया वार्षिक स्कॉलरशिप'के लिये किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- उल्लेखनीय है कि खेलो इंडिया, नई दिल्ली द्वारा 16 से 20 मई, 2023 तक एसेसमेंट कैंप का आयोजन किया गया था।
- राजनांदगाँव में आयोजित वेस्ट ज़ोन जूनियर हॉकी प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ से नेशनल टीम की सदस्य रही कुमारी गीता यादव ने शानदार प्रदर्शन किया था। प्रदर्शन के आधार पर हॉकी की प्रशिक्षणार्थी खिलाड़ी कु. गीता यादव का चयन खेलो इंडिया स्कॉलरशिप के लिये किया गया। कुमारी गीता यादव को स्कॉलरशिप के तहत प्रतिवर्ष 6 लाख 20 हज़ार रुपए दिये जाएंगे।
- बहतराई बिलासपुर में हॉकी, तीरंदाजी एवं एथलेटिक्स की आवासीय अकादमी संचालित हैं। आधुनिक प्रशिक्षण एवं बेहतर सुविधाओं की उपलब्धता के आधार पर इसे भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा एक्सीलेंस सेंटर की मान्यता दी गई है।
- इस अकादमी में 95 खिलाड़ी प्रशिक्षणरत हैं, जिसमें हॉकी में 57, तीरंदाजी में 12 एवं एथलेटिक्स में 26 खिलाड़ी शामिल हैं।

नोट :

जनजातीय वाचिकोत्सव 2023

चर्चा में क्यों ?

22 मई, 2023 को छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (TRTI), रायपुर द्वारा आदिवासी जीवन से संबंधित वाचिक परंपरा के संरक्षण, संवर्द्धन एवं उनके अभिलेखीकरण के उद्देश्य से 25 से 27 मई 2023 तक तीन दिवसीय 'जनजातीय वाचिकोत्सव 2023' का आयोजन किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- उल्लेखनीय है कि यह आयोजन भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय एवं राज्य शासन के सहयोग से टी.आर.टी.आई. संस्थान के नवनिर्मित भवन में होगा।
- आयोजन में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के जनजातीय वाचकों द्वारा जनजातीय वाचिक परंपरा की विभिन्न विधाओं के अंतर्गत अपनी प्रस्तुति दी जाएगी।
- 'जनजातीय वाचिकोत्सव 2023' के आयोजन के उपरांत संस्थान द्वारा जनजातीय वाचिक परंपरा के संरक्षण एवं अभिलेखीकरण के दृष्टिगत पुस्तक का प्रकाशन भी किया जाएगा।
- 'जनजातीय वाचिकोत्सव 2023' के अंतर्गत लगभग 240 जनजातीय वाचकों की सहभागिता संभावित है। इनमें प्रमुख रूप से जनजातीय साहित्यकार अश्वनी कुमार पंकज (रांची, झारखंड) एवं पंकज चतुर्वेदी (नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली) भी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।
- जनजातीय वाचिकोत्सव में निम्नलिखित 09 विधाओं का वाचन किया जाएगा-
- जनजातीय देवी-देवता एवं मड़ई मेला के संबंध में वाचिक ज्ञान,
- जनजातियों में प्रचलित लोक कहानियाँ,
- जनजातियों में प्रचलित कहावतें एवं लोकोक्तियाँ,
- जनजातीय लोकगीत, उनका अभिप्राय एवं भावार्थ,
- जनजातीय तीज-त्यौहार से संबंधित वाचिक ज्ञान,
- जनजातीय जीवन संस्कार (जन्म, विवाह, मृत्यु इत्यादि) संबंधी वाचिक परंपरा,
- जनजातीय समुदाय की उत्पत्ति संबंधी धारणा एवं वाचिक ज्ञान,
- जनजातीय समुदाय में गोत्र व्यवसाय एवं गोत्र चिन्हों की अवधारणा संबंधी वाचिक ज्ञान,
- जनजातियों में प्रचलित विशिष्ट परंपरा (गोदना, लाल बंगला, घोटूल, धनकूल, जगार, जात्रा, धुमकुरिया आदि) रीति रिवाज एवं परंपरागत ज्ञान एवं विश्वास
- यह कार्यक्रम प्रतिदिन 8 सत्रों में विभाजित किया गया है। कार्यक्रम के समापन अवसर पर शामिल सभी जनजातीय वाचकों को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

नोट :

6वीं राष्ट्रीय मिक्स मार्शल आर्ट प्रतियोगिता में बस्तर की बेटियों ने रचा इतिहास

चर्चा में क्यों ?

24 मई, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार लखनऊ (उत्तर प्रदेश) में 17 से 21 मई तक आयोजित 6वीं राष्ट्रीय मिक्स मार्शल आर्ट प्रतियोगिता में बस्तर ज़िला और बस्तर मार्शल आर्ट्स अकादमी की खिलाड़ियों ने 5 स्वर्ण और एक काँस्य पदक प्राप्त कर इतिहास रच दिया।

प्रमुख बिंदु

- इस प्रतियोगिता में बस्तर ज़िले की अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी पलक नाग ने फिर से सीनियर वेल्टर वेट में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

नोट :

- माही डोंगरे ने यूथ सी 57 कि.ग्रा. वर्ग में स्वर्ण पदक, येजीन श्रेया सुना ने यूथ सी 44 कि.ग्रा. वर्ग में स्वर्ण पदक, तनुप्रिया दत्ता ने यूथ बी 44 कि.ग्रा. वर्ग में स्वर्ण पदक, सेमीकॉन्टेक्ट में श्रिया शर्मा ने बॉटम वेट में स्वर्ण पदक और माही मेश्राम ने यूथ ए 52 कि.ग्रा. वर्ग में काँस्य पदक प्राप्त किया।
- गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ के बस्तर ज़िले की जगदलपुर शहर की रहने वाली पलक नाग ने 2022 में आबूधाबी में हुए मिक्स मार्शल आर्ट अंतर्राष्ट्रीय चैंपियनशिप में भारत के लिये सिल्वर मेडल जीता था।
- पदक प्राप्त करने वाले सभी खिलाड़ी बस्तर मार्शल आर्ट अकादमी में प्रैक्टिस करते है। जिन खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक प्राप्त किये हैं, वे आगामी अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे।
- विदित है कि यह दूसरा साल है जिसमें मिक्स मार्शल आर्ट प्रतियोगिता में बस्तर की बेटियों ने अपना जौहर दिखाया है।

छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग और आस्ट्रेलिया के जॉर्ज इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल हेल्थ के बीच एमओयू

चर्चा में क्यों ?

24 मई, 2023 को छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य विभाग और आस्ट्रेलिया के जॉर्ज इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल हेल्थ के बीच छत्तीसगढ़ में कुपोषण तथा गैर-संचारी रोगों पर पाँच वर्ष के शोध के लिये एमओयू किया गया।

प्रमुख बिंदु

- छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवाओं के संचालक भीम सिंह और जॉर्ज इंस्टीट्यूट की मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रो. अनुष्का पटेल ने इस गैर-वित्तीय अनुबंध पर हस्ताक्षर किये।
- एमओयू के अंतर्गत जॉर्ज इंस्टीट्यूट प्रदेश में कुपोषण एवं गैर-संचारी रोगों पर शोध कर तकनीकी मॉडल तैयार करेगा। यह मॉडल पूर्ण रूप से फील्ड रिसर्च के बाद एविडेंस आधारित मॉडल होगा जिससे इन गंभीर समस्याओं के कारण होने वाली बीमारियों के निराकरण में मदद मिलेगी।
- विदित है कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों और उन्नत शिक्षण संस्थानों के अध्ययन व अवलोकन के लिये छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री टी.एस. सिंहदेव के नेतृत्व में प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग की टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गई है। इसी क्रम में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सिडनी में जॉर्ज इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल हेल्थ के साथ एमओयू किया।

नोट :

- गौरतलब है कि जॉर्ज इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल हेल्थ का मुख्यालय ऑस्ट्रेलिया में है तथा यूनाइटेड किंगडम, चीन और भारत में इसके क्षेत्रीय कार्यालय संचालित हैं। यह संस्थान गैर-संचारी रोगों, कुपोषण, गुर्दे की बीमारी तथा इन्जुरी व ट्रामा सहित विभिन्न रोगों पर शोध करता है।
- जॉर्ज इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल हेल्थ बड़े पैमाने पर चिकित्सा विज्ञान संबंधी अध्ययन के लिये जाना जाता है और यह दुनिया भर में अग्रणी शोध विश्वविद्यालयों में से एक है।

छत्तीसगढ़ के खेलो इंडिया सेंटर के लिये खेल संचालनालय और साई के मध्य हुआ एम.ओ.यू.

चर्चा में क्यों ?

25 मई, 2023 को छत्तीसगढ़ के 24 खेलो इंडिया सेंटर के लिये खेल संचालनालय और साई के मध्य एम.ओ.यू. हुआ। खेल संचालक श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा और भारतीय खेल प्राधिकरण के क्षेत्रीय निदेशक विष्णु सुधाकर ने एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर किये।

प्रमुख बिंदु

- विदित है कि संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण विभाग के प्रस्ताव पर भारतीय खेल प्राधिकरण ने छत्तीगढ़ में 24 ज़िलों के विभिन्न खेलों के लिये 24 खेलो इंडिया सेंटर की स्वीकृति 3 चरणों में दी है।
- प्रथम चरण में नारायणपुर में मलखंभ, बीजापुर और शिवतरई बिलासपुर में तीरंदाजी, गरियाबंद में वॉलीबाल, सरगुजा में फुटबॉल, जशपुर और राजनांदगाँव में हॉकी सेंटर की स्वीकृति दी गई। प्रत्येक सेंटर के लिये 7 लाख रुपए जारी किये गए थे।
- द्वितीय चरण में 7 ज़िले जिसमें बालोद में वेटलिफ्टिंग, बलौदाबाज़ार में फुटबॉल, पाटन दुर्ग में कबड्डी, रायपुर में वेटलिफ्टिंग, रायगढ़ में बैडमिंटन, सुकमा में फुटबाल और कांकेर में खो-खो के सेंटर की स्वीकृति दी गई है।
- इसी प्रकार तृतीय चरण में 10 ज़िले जिसमें बस्तर में हॉकी, धमतरी में कुश्ती, जांजगीर-चांपा में हॉकी, कोरबा और बलरामपुर में फुटबॉल, बेमेतरा में कबड्डी, दंतेवाड़ा में तीरंदाजी, महासमुंद में तीरंदाजी, मुंगेली और सूरजपुर में फुटबाल के खेलो इंडिया सेंटर की स्वीकृति मिली है।
- शेष 9 ज़िलों में से 4 ज़िलों-सारंगढ़ बिलाईगढ़, कोंडागाँव, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही और सक्ती के लिये खेल संचालनालय के द्वारा प्रस्ताव साई को भेज दिया गया है और शेष 5 ज़िलों का प्रस्ताव जल्द ही खेल संचालनालय द्वारा भेजा जाएगा।
- गौरतलब है कि खेलो इंडिया सेंटर के लिये भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा वित्तीय सहायता दिया जाता है। यहाँ पर खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

नोट :

पर्यावरण संरक्षण के लिये 01 जून को छत्तीसगढ़ में पाँच लाख लोग लेंगे शपथ

चर्चा में क्यों ?

25 मई, 2023 को छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार प्रदेश में 01 जून को पाँच लाख लोग पर्यावरण संरक्षण के लिये शपथ लेंगे।

प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि प्रदेश में मिशन लाईफ कार्यक्रम के अंतर्गत लाईफ स्टाईल फॉर इन्वायरमेंट कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित किये जा रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में 01 जून को पर्यावरण संरक्षण के लिये शपथ का कार्यक्रम रखा गया है।
- लाईफ प्लेज के अंतर्गत पूरे राज्य में एक साथ पाँच लाख लोगों द्वारा प्लेज लिये जाने का निर्णय लिया गया है, जिससे कि व्यापक स्तर पर पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता लाई जा सके।
- एक ही दिन में पाँच लाख लोग शपथ लेकर पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में अपनी प्रतिबद्धता दर्शाएंगे। शपथ हिन्दी या अंग्रेजी में समूह या व्यक्तिगत रूप से लेकर उसका वीडियो व फोटो वॉट्सएप नंबर +91-7415781776, +91-9109028361, +91-7415796619 पर 01 जून को प्रात: 8 बजे से शाम 4 बजे तक भेजी जा सकेगी।
- पूरे प्रदेश में यदि पाँच लाख लोग एक साथ शपथ लेंगे और रायपुर ज़िले में शपथ की संख्या डेढ़ लाख से पार हो गई, तो यह एक विश्व रिकार्ड होगा।
- छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल ने प्रदेश के सभी लोगों से यह आग्रह किया है कि वे 01 जून 2023 को पर्यावरण संरक्षण के लिये शपथ लेकर इस महाअभियान में भागीदार बनें।
- शपथ इस प्रकार है- मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि पर्यावरण को बचाने के लिये अपने दैनिक जीवन में हर-संभव बदलाव लाऊंगा। मैं यह भी वचन देता हूँ कि अपने परिवार, मित्रों व अन्य लोगों को पर्यावरण के अनुकूल आदतों और व्यवहारों के महत्त्व के विषय में सतत् रूप से प्रेरित करूंगा।

नोट :

अंतर्राष्ट्रीय सॉफ्टबाल एशिया कप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे बीजापुर के तीन खिलाड़ी

चर्चा में क्यों ?

28 मई, 2023 को छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार जापान में होने वाले अंडर-18 एशिया कप सॉफ्टबाल मैच के लिये भारतीय टीम में छत्तीसगढ़ के चार खिलाड़ियों का चयन किया गया है, जिनमें बीजापुर के तीन खिलाड़ी शामिल हैं।

प्रमुख बिंदु

- अंडर-18 एशिया कप सॉफ्टबाल मैच के लिये भारतीय टीम में छत्तीसगढ़ के बीजापुर से जिन तीन खिलाड़ियों का चयन हुआ है, उनमें राकेश कड़ती, सुशील कुड़ियम और त्रिलेश उद्दे शामिल हैं।

नोट :

- राकेश कड़ती मूलरूप से बीजापुर के सुदूर इलाके आवापल्ली के रहने वाले हैं, इसके साथ ही सुशील कुड़ियम पिंडुमपाल भैरमगढ़ के अंदरूनी इलाके से हैं। त्रिलेश उद्दे मंगापेटा कुटरू के रहने वाले हैं।
- गौरतलब है कि जापान के कोची शहर में अंडर-18 अंतर्राष्ट्रीय सॉफ्ट बाल एशिया कप 23 से 26 जून, 2023 तक आयोजन किया जाएगा।
- सॉफ्टबाल खिलाड़ी राकेश कड़ती के पिता को बचपन में नक्सलियों द्वारा मार दिया गया था और माँ का भी देहांत हो गया। 4 साल की उम्र में इन्हें सीआरपीएफ के जवानों द्वारा बीजापुर में संचालित (टुमारो फाउंडेशन) बाल गृह के सुपुर्द कर दिया गया था, जहाँ रहकर उन्होंने पढ़ाई के साथ-साथ खेल में भी अपनी प्रतिभा को निखारा।
- राकेश कड़ती बीजापुर स्पोर्ट्स एकेडमी में सॉफ्टबाल में बेहतर प्रदर्शन करते हुए अब तक 8 नेशनल गेम खेल चुके हैं, जिसमें उन्होंने 5 अलग-अलग मेडल हासिल किये हैं। राकेश कक्षा 9वीं में शासकीय विद्यालय बीजापुर में पढ़ाई कर रहा है और वह सॉफ्टबाल का कोच बनना चाहता है।
- सुशील कुड़ियम ने भी 5 नेशनल गेम खेले हैं, जो भैरमगढ़ के अंदरूनी क्षेत्र से हैं। त्रिलेश सॉफ्टबाल खेल का सीनियर खिलाड़ी है और अपने पिता की मृत्यु के बाद अनुकंपा में वनरक्षक के पद पर पदस्थ है। त्रिलेश बीजापुर के अंदरूनी इलाकों में जाकर बच्चों को बीजापुर स्पोर्ट्स एकेडमी के संबंध में बताते और साथ ही उन्हें खेल में आगे बढ़ने के लिये प्रेरित करते हैं।

ग्राम पंचायत चंदखुरी में महात्मा गांधी रूरल इंडस्ट्रियल पार्क (रीपा) स्थापित

चर्चा में क्यों ?

29 मई, 2023 को छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार राज्य के दुर्ग विकासखंड के ग्राम पंचायत चंदखुरी में महात्मा गांधी रूरल इंडस्ट्रियल पार्क (रीपा) के अंतर्गत 2 करोड़ की लागत से मिल्क प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- रीपा के अंदर एक प्रशासनिक क्षेत्र का निर्माण किया गया है, जिसमें बैंकिंग सुविधा हेतु क्योस्क, इंटरनेट सुविधा हेतु वाईफाई कनेक्शन. राज्य शासन की योजनाओं की जानकारी हेतु हेल्पडेस्क का निर्माण किया गया है एवं रीपा परिसर के मध्य में महात्मा गांधी की प्रतिमा स्थापित की गई है।

नोट :

- रीपा केंद्र में युवाओं द्वारा पैकेज्ड मिल्क, दही व खोवा उत्पादन किया जाता है। इसके उत्पादन हेतु प्रशासन द्वारा आवश्यक मशीनें रीपा स्थल पर उपलब्ध कराए गए हैं। इसके साथ ही क्षेत्र की मांग के अनुरूप निकट भविष्य में मिल्क प्रोसेसिंग यूनिट में नए उत्पादों को भी स्थान दिया जाएगा।
- इस यूनिट से आसपास के क्षेत्र के कुल 41 लोगों को रोज़गार का अवसर प्रदान किया जाएगा। उद्यम के सफल संचालन के लिये ज़िला प्रशासन द्वारा प्राइवेट कंपनियों के साथ अनुबंध कर लोकल बाज़ारों में बिक्री सुनिश्चित की जा रही है।
- इसके अलावा तैयार उत्पादों को शासकीय विभागों में भी सप्लाई किया जाएगा, ताकि उत्पाद की खपत सुनिश्चित कर कार्य कर रहे श्रमिकों को रोज़गार की गारंटी प्रदान कर उनके भविष्य को आर्थिक दृष्टिकोण से बेहतर और समृद्ध बनाया जा सके।

कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में दिखा दुर्लभ 'माउस डियर'

चर्चा में क्यों ?

30 मई, 2023 को छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार बस्तर स्थित विख्यात कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में अब दुर्लभ प्रजाति 'माउस डियर'की तस्वीर कैमरा ट्रेप में कैद हुई है।

प्रमुख बिंदु

- हाल ही में कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में संकटापन्न जंगली भेड़ियों की वापसी के साथ-साथ इससे लगे गाँवों तक छत्तीसगढ़ की राजकीय पक्षी 'पहाड़ी मैना'की भी मीठी बोली गूंजने लगी है।
- यह वन विभाग की पहल से वन्यजीवों के सुरक्षित रहवास के लिये किये जा रहे कार्यों के सकारात्मक परिणाम को दर्शाता है। कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान प्रबंधन द्वारा लगातार वन्यजीवों के संरक्षण की दिशा में कार्य करने से दुर्लभ प्रजातियों का रहवास सुरक्षित हुआ है।
- कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान के निदेशक धम्मशील गणवीर ने बताया कि राष्ट्रीय उद्यान प्रबंधन द्वारा स्थानीय युवाओं को पेट्रोलिंग गार्ड के रूप में रोज़गार उपलब्ध कराया गया है, जिससे लगातार पेट्रोलिंग और मॉनिटरिंग कर वन्यजीवों के रहवास का संरक्षण किया जा रहा है। साथ ही राष्ट्रीय उद्यान से लगे ग्रामीणों की संरक्षण में सहभागिता सुनिश्चित होने से वन्य प्राणियों की संख्या में बढ़ोतरी देखी जा रही है।
- उल्लेखनीय है कि भारत में पाए जाने वाले हिरणों की 12 प्रजातियों में से माउस डियर विश्व में सबसे छोटे हिरण समूह की प्रजाति में से एक है।

नोट :

- भारतीय माउस डियर का रहवास विशेष रूप से घने झाड़ियों तथा नमी वाले जंगलों में होता है। माउस डियर में चूहे-सूअर और हिरण के रूप और आकार का मिश्रण दिखाई देता है और बिना सींग वाले हिरण का एकमात्र समूह है।
- माउस डियर के शर्मीले व्यवहार और रात्रिकालीन गतिविधि के कारण इनके विषय में विशेष रिसर्च नहीं हुआ है। मुख्य रूप से दक्षिण एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया के उष्णकटिबंधीय नम पर्णपाती वनों में माउस डियर की उपस्थिति दर्ज हुई है।
- वनों में लगने वाली आग, बढ़ते हुए अतिक्रमण और शिकार के दबाव से भारतीय माउस डियर की आबादी को शायद गंभीर खतरे का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान में इन प्रजातियों को बचाने के प्रयास की आवश्यकता है।
- कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में ऐसे वन्यजीव के लिये उपयुक्त रहवास होने से और राष्ट्रीय उद्यान प्रबंधन द्वारा वन्य जीवों के संरक्षण हेतु लगातार चलाए जा रहे जागरूकता अभियान और स्थानीय लोगों की सहभागिता के परिणामस्वरूप 'माउस डियर'जैसे दुर्लभ प्रजातियों की वापसी देखे जाने से राज्य शासन की वन्यजीव संरक्षण का उद्देश्य साकार हो रहा है। इससे पर्यटक आकर्षित होंगे तथा राष्ट्रीय उद्यान में सैलानियों की संख्या और अधिक बढ़ेगी।

नोट :